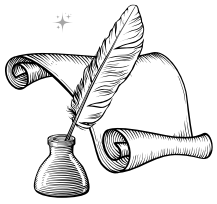

Poems

Poet: *BK Mukesh*

परमपिता का प्यार सुखी बनाये ससार

बाप से मिली मुझे, अलौकिक जीवन की बधाई
दुख जीवन से दूर हुए, खाकर दिलखुश मिठाई

हाथ पकड़कर बाबा ने, हमें वतन की सैर कराई
अवगुण सभी मिटाकर, आत्मा की चमक बढ़ाई

गोदी पाकर बाप की, फूलों जैसा जीवन खिला
औरों को भी बांटेंगे जो, प्यार बाप से हमें मिला

दूर करेंगे दुख औरो के, शांति की राह दिखाकर
खजानों से सम्पन्न करेंगे, बाप का उन्हें बनाकर

मुझको बाप से मिली, अथाह खुशियों की खान
लहर फैलाऊं संसार में, आये परमपिता भगवान

बाप समान करता जाऊं, मैं सबके दुखों को दूर
आनन्द प्रेम शांति से करूँ, सबका मन भरपूर

बाबा के आने की खबर, सबको मैं देकर आऊँ
बिछुड़े हुए बच्चों को, मैं परमपिता से मिलवाऊं ||